भारत सरकार

इलेक्ट्रॉनिकी और सूचना प्रौद्योगिकी मंत्रालय

लोक सभा

अतारांकित प्रश्न संख्या 603

जिसका उत्तर 23 जुलाई, 2025 को दिया जाना है ।

1 श्रावण, 1947 (शक)

पीएमजी-दिशा

603. श्री अ. मनि:

क्या इलेक्ट्रॉनिकी और सूचना प्रौद्योगिकी मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि:

(क) क्या सरकार विशेषकर तमिलनाडु के सामाजिक-आर्थिक रूप से वंचित परिवारों को लक्षित कर गांवों में डिजिटल साक्षरता को बढ़ावा देने के लिए प्रधानमंत्री ग्रामीण डिजिटल साक्षरता अभियान (पीएमजी-दिशा) योजना का कार्यान्वयन कर रही है;

(ख) यदि हां, तो उक्त योजना के अंतर्गत तमिलनाडु में विशेषकर धर्मपुरी जिले में अब तक चिह्नित किए गए पात्र ग्रामीण घरों की संख्या, पंजीकृत लाभार्थियों की संख्या और डिजिटल साक्षर के रूप में प्रमाण पत्र प्राप्त करने वाले लोगों की संख्या सहित हुई प्रगति का ब्यौरा क्या है;

(ग) क्या सरकार ने धर्मपुरी जिले में ग्रामीण घरों के लिए पीएमजी-दिशा के अंतर्गत किसी विशेष लक्ष्य का निर्धारण किया है और यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है; और

(घ) क्या सरकार ने धर्मपुरी के ग्रामीण और जनजातीय स्थलों में डिजिटल साक्षरता पारिस्थितिकी तंत्र को सुदृढ़ करने के लिए मोबाइल प्रशिक्षण इकाइयां तैनात करने, ग्राम स्तर के उद्यमियों (वीएलई) की नियुक्ति करने अथवा सामान्य सेवा केंद्रों (सीएससी) के माध्यम से प्रशिक्षण को सुगम बनाने जैसा कोई कदम उठाया है, और यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है?

उत्तर

इलेक्ट्रॉनिकी और सूचना प्रौद्योगिकी राज्य मंत्री (श्री जितिन प्रसाद)

(क) से **(घ)**: सरकार ने डिजिटल साक्षरता सुनिश्चित करने के लिए वर्ष 2017 में प्रधानमंत्री ग्रामीण डिजिटल साक्षरता अभियान (पीएमजीदिशा) शुरू किया। 6 करोड़ व्यक्तियों को प्रशिक्षित करने के लक्ष्य की तुलना में देशभर में कुल 6.39 करोड़ व्यक्तियों को प्रशिक्षित किया गया। योजना आधिकारिक तौर पर 31 मार्च, 2024 को समाप्त हुई ।

इस योजना का कार्यान्वयन ग्राम स्तरीय उद्यमियों (वीएलई) द्वारा संचालित 4.39 लाख सामान्य सेवा केन्द्रों (सीएससी) के माध्यम से सीएससी ई-गवर्नेंस सर्विसेज इंडिया लिमिटेड द्वारा किया गया। तमिलनाडु राज्य में**,** इस योजना के अंतर्गत कुल 14**,**07**,**880 उम्मीदवारों को प्रशिक्षित किया गया।

******